ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 | अंक- 23 | मार्च-I-2018 | (पाक्षिक) | माउण्ट आबू | Rs. 10.00

'माइंड बॉडी मेडिसिन' विषय पर त्रिदिवसीय कॉन्फ्रेन्स

► राष्ट्रीय सम्मेलन में भारत तथा नेपाल के सात हज़ार चिकित्सक हुए शरीक - साइंस और राजयोग के समन्वय से होगा सुस्वास्थ्य

शांतिवन। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा 'माइंड बॉडी मेडिसिन' विषय पर आयोजित सम्मेलन में भारत व नेपाल के करीब सात हज़ार डॉक्टर्स शामिल हुए। इस अवसर पर एन.टी.आर. स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सी. वेंकटेश्वर राव ने कहा कि व्यक्ति के त्वरित उपचार के लिए मेडिकल साइंस महत्वपूर्ण है, लेकिन यदि उसे पूरी तरह से स्वस्थ होना है तो संयमित जीवन और प्रतिदिन राजयोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। ये दोनों मिलकर व्यक्ति को स्वस्थ बना सकते हैं। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों में समस्त चिकित्सा विभाग का रुझान मरीजों हेतु योग और जीवन पद्धति के लिए बदला है। पूरी दुनिया में योग और राजयोग के प्रति रुझान बढ़ा है और अपने जीवन में योग को शामिल करने के प्रति लोग जागरुक हो रहे हैं। सम्मेलन में सात हज़ार एम.डी, एम.एस., डीन, विभागाध्यक्ष समेत बड़ी संख्या में चिकित्सकों ने भाग लिया।

दादी रतनमोहिनी तथा ब्र.कु. निर्वैर के साथ दीप पज्वलित करते हुए डॉ. बनारसी, डॉ. प्रताप मिड्ढा, डॉ. सी. वेंकटेश्वर राव, ब्र.कु. डॉ. निरंजना, डॉ. गिरीश व अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका दादी रतनमोहिनी ने कहा कि यदि जीवन सकारात्मक और योगयुक्त हो जाए तो जीवन में हमेशा खुशियों का प्रवाह होता रहेगा।

ब्रह्माकुमारीज़ के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने खान-पान व जीवन की दिनचर्या को संतुलित बनाने की सलाह देते हुए प्रतिदिन राजयोग करने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने कुछ समय सभी को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास भी कराया। सम्मेलन में मेडिकल प्रभाग के उपाध्यक्ष डॉ. प्रताप मिड्ढा, आयोजक सचिव डॉ. गिरीश पटेल ने भी चिकित्सा पद्धति में आ रही चुनौतियों का सामना कर समाधान निकालने की सलाह दी। इस अवसर पर इंदौर के कार्डियोलॉजी वेदान्ता हॉस्पिटल के सहायक निदेशक डॉ. भरत रावत ने दिल की बीमारी के लिए खान-पान और मन की स्थिति को ज़िम्मेदार बताया। मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बनारसी लाल शाह ने भी सम्बोधित किया।

दवा के साथ मन की शक्ति भी करें शामिल

► विश्व विख्यात जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि डॉक्टर्स दवा के साथ दुआएं लेने की शैली से कार्य करें, जिससे वे स्वयं भी खुश रह सकेंगे और साथ-साथ अपने सेवा साथियों को भी खुश रख सकेंगे।

► अपने आस-पास शांति का वातावरण बनायें, हॉस्पिटल को होली पैलेस बनाने का संकल्प लें। पेशेन्ट अपना दु:ख दर्द लेकर आये और शांति और स्वस्थ मनोभाव लेकर जाये।

► ऑपरेशन से पूर्व स्वयं को एक मिनट के लिए शांत करके अपनी ऊर्जा को परमात्म शक्ति के साथ जोड़ना ज़रूरी है।

► मन की शक्ति व बुद्धि की एकाग्रता से हर सर्जरी सफल अवश्य होगी। हाथ से सर्जरी और मन से शुभ संकल्पों की शक्ति को शामिल करें।

► सभी डॉक्टर्स अपने कार्यक्षेत्र को 'नो एंगर ज़ोन' बनाने का संकल्प लेकर जायें। जब हम बदलेंगे तो हमारे आस-पास साथी सहयोगी सब बदल जायेंगे।

► मन की शक्ति की महत्ता ये है कि दवा को शांत व शुभ संकल्प के साथ डॉक्टर्स की सलाह के मुताबिक लेने से बीमारी जल्दी ही ठीक हो जायेगी, क्योंकि हमारी सोच का प्रभाव हमारे शरीर के हर सेल्स पर पड़ता है।

► हर सोच की क्वालिटी हमारे हार्मोन्स को प्रभावित करती है।

► राजयोग मेडिटेशन का एक ऐसा स्थान बनायें जहाँ आने वाले सभी को शांति की अनुभूति हो।

मूल्य शिक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों का भव्य दीक्षांत समारोह

शान्तिवन। दीक्षांत समारोह में डॉ. एन.टी.आर. हेल्थ युनिवर्सिटी विजयवाड़ा के वाइस चांसलर डॉ. सी. वेंकटेश्वर राव ने कहा कि आज समाज के प्रत्येक व्यक्ति को मूल्य शिक्षा की अति आवश्यकता है। इसी कड़ी में यह महान कार्य ब्रह्माकुमारी संस्थान कर रहा है जो सराहनीय है। मूल्य हमें जीवन की सच्चाइयों का सामना करना सिखाते हैं तथा परिवार व समाज के प्रति नैतिक ज़िम्मेवारियों को पूरा करने के प्रति सचेत करते हैं। अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु के डायरेक्टर डॉ. एम. अरूल ने कहा कि मूल्य शिक्षा ग्रहण करना एक पुण्य का कार्य है, क्योंकि यह मनुष्य के मन-मस्तिष्क को मनोविकारों से मुक्त करके जीवन जीने की कला सिखाती है जिससे हमारा जीवन स्वयं तथा समाज के लिए आदर्श बनता है। मानसिक कौशल के साथ मूल्यों का जीवन में समावेश जीवन की स्वीकार्यता को व्यापक बनाता है। यशवंतराव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय के डायरेक्टर उमेश राजदेरकर ने कहा कि वर्तमान समय विश्वविद्यालयों द्वारा जो डिग्रियाँ प्रदान की जा रही हैं, उनका जीवन से सम्बन्ध नहीं रह गया है। ऐसे में यहाँ की मूल्य शिक्षा समय के साथ बिल्कुल प्रासंगिक है। ब्रह्माकुमारीज़ की संयुक्त मुख्य प्रशासिका डॉ. दादी रतनमोहिनी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि मूल्य शिक्षा एक ऐसी पढ़ाई है जो जीवन को ऊंचाई की ओर ले जाती है।

दीक्षांत समारोह में सम्बोधित करते हुए संस्था के शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय। सभा में मूल्य शिक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थीगण दिखाई दे रहे हैं।

इस अवसर पर काउंसलिंग एण्ड स्पिरिचुअल हेल्थ में एम.एस.सी. पाठ्यक्रम का इस वर्ष से लॉन्चिंग किया गया।

जिससे जीवन दिव्य गुणों से परिपूर्ण होता है। शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि आज का दिन स्वर्णिम दिन है। आज के दिन हम संकल्प करें कि हम अपने अंदर की ईर्ष्या, द्वेष, नफरत और परचिंतन को विदाई देंगे तथा मूल्यों से अपने जीवन को श्रेष्ठ बनाएंगे।

मूल्यों से जीवन में प्रेम, शान्ति, शक्ति और पवित्रता आती है शिक्षा प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका तथा विख्यात राजयोग प्रशिक्षिका ब्र.कु. शीलू दीदी ने मूल्य शिक्षा को जीवन में उतारने के लिए परमपिता परमात्मा रूपी स्रोत के साथ योग की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने सभी को राजयोग की अनुभूति भी कराई। शिक्षा प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ. हरीश शुक्ल ने दीक्षांत समारोह में डिग्री लेने भारत और नेपाल से आये हुए सभी विद्यार्थियों और मंचासीन महानुभावों का स्वागत किया। ब्रह्माकुमारीज़ दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के डायरेक्टर डॉ. ब्र.कु. पांड्यामणि ने भी अपने विचार रखे। मूल्य शिक्षा के मुख्यालय संयोजक डॉ. आर.पी. गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया। डॉ. सरिता दास ने मूल्य शिक्षा और अध्यात्म पाठ्यक्रम करने से प्राप्त हुए अनुभव को सुनाया। मंच संचालन ब्र.कु. सुप्रिया ने बड़े ही रमणीक तरीके से किया। कार्यक्रम के अंत में यशवंतराव चव्हाण मुक्त विश्वविद्यालय में प्रथम, द्वितीय और तृतीय रैंक में आये हुए विद्यार्थियों को दादी रतन मोहिनी जी द्वारा विशेष रूप से सम्मानित किया गया।